बाल भारती

भाग 2

(दूसरी कक्षा के लिए)

अभ्यास पुस्तिका
बाल भारती
भाग 2

(दूसरी कक्षा के लिए)

संयुक्ता लूदरा
सत्येन्द्र वर्मा

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
मई 1988 : बैसाख 1910

प्रथम संशोधित संस्करण
मार्च 1997 : फाल्गुन 1918

द्वितीय संशोधित संस्करण
जनवरी 2003 : माघ 1924

PD 340T MB

ISBN 81-7450-101-0

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस	108, 100 फीट रोड, होस्डेकेरे	नवजीवन ट्रस्ट भवन	सी.डब्लू.सी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग	हेली एक्सटेंशन बनाशकरी III इस्टेज	डाकघर नवजीवन	निकट : धनकल बस स्टॉप
नई दिल्ली 110016	बैंगलूर 560085	अहमदाबाद 380014	पनिहटी, कोलकाता 700114

प्रकाशन सहयोग

संपादन : मरियम बारा

उत्पादन : विनोद देवीकर
मुकेश कुमार गौड़

चित्र एवं आवरण : निधि वधवा

रु. 20.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटर मार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित ।

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा नवटैक कंप्यूटर द्वारा लेज़र टाईपसैट होकर एम.एस. प्रिंट्स, जी आई-48, लॉरेंस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110 035 द्वारा मुद्रित।

प्राक्कथन

भाषा मनुष्य के वैयक्तिक और सामाजिक जीवन के विकास के लिए सबसे उपयोगी साधन है, इसलिए भाषा सीखना व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। यह एक सहज प्रक्रिया है। भाषा की शिक्षा के बिना मनुष्य का सामाजिक और बौद्धिक विकास पूर्ण नहीं होगा। भाषा का प्रवाह व्यक्ति और समाज में निरंतर चलता रहता है। भाषा-शिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इस योग्य बना देना है जिससे वे भाषा के प्रवाह में स्वयं तैर सकें।

पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्य-सामग्री का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के तहत परिषद् ने नवीन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की जो शृंखला प्रारंभ की थी उसमें बाल भारती भाग 2 प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा हिंदी पढ़ाने के लिए निर्मित पुस्तक की दूसरी कड़ी है। इस पुस्तक का प्रथम संस्करण वर्ष 1988 में प्रकाशित किया गया था। सन् 2000 में परिषद् द्वारा विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा प्रकाशित की गई और उसके आधार पर पाठ्यक्रमों का नव निर्माण किया गया। इस पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है - बस्ते के बोझ को कम करना, पाठ्य-सामग्री को अद्यतन बनाना और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना। परिषद् ने पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रमों को आधार बनाकर विभिन्न विषयों में नई पाठ्यपुस्तकों का निर्माण तथा अन्य पाठ्य-सामग्री में संशोधन-परिवर्धन का कार्य आरंभ किया है।

इसी आधार पर बाल भारती भाग 2 में यथा-आवश्यक संशोधन एवं परिवर्धन किया गया है। प्रस्तुत पुस्तक को संशोधित करते समय ध्यान रखा गया है कि पाठ्यक्रम के बोझ को कम किया जा सके तथा पाठ्य-सामग्री को नई पाठ्यचर्या के परिप्रेक्ष्य में अद्यतन बनाया जा सके।

प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका दूसरी कक्षा के लिए निर्धारित हिंदी की पाठ्य-पुस्तक बाल भारती भाग 2 की पाठ्य-सामग्री पर आधारित है। बाल भारती भाग 2 के विभिन्न पाठों द्वारा विकसित शब्द बोध तथा अर्थग्रहण संबंधी कुशलताओं को विकसित करने और सुदृढ़ बनाने हेतु प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका का निर्माण किया गया है। अभ्यास पुस्तिका में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि विद्यार्थियों में यांत्रिक कुशलताओं के साथ-साथ चिंतन तथा सृजन की योग्यताओं का सहज विकास हो सके। शिक्षकों द्वारा कक्षा में अभ्यासों को करवाने के लिए संकेत भी दिए गए हैं। विद्यार्थियों की रोचकता बनाए रखने के लिए चित्रात्मक अभ्यास भी यथा-स्थान जोड़े गए हैं। अभ्यास में सरलता, सहजता और ग्राह्यता के साथ उनमें विविधता हो, इसका भी ध्यान रखा गया है।

आशा है कि बाल भारती भाग 2 की अभ्यास पुस्तिका के संशोधित संस्करण का विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा स्वागत होगा।

इस अभ्यास पुस्तिका को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए विद्यार्थियों, अध्यापकों और भाषाविदों दवारा भेजे गए सुझावों का हम सदैव स्वागत करेंगे।

जगमोहन सिंह राजपूत
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली
जनवरी 2003

अभ्यास पुस्तिका के उद्देश्य

बाल भारती भाग 2 में कक्षा दो के बच्चों के मानसिक स्तर के अनुसार सरल, परिचित तथा प्रचलित शब्दों का प्रयोग करते हुए पाठों का विकास किया गया है। इसी आधार पर उनकी रुचियों के अनुकूल और परिवेश से जुड़े प्रसंगों पर कहानी, वर्णन, कविता आदि विधाओं में पाठ दिए गए हैं। प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका में भाषा की मूलभूत योग्यताओं - सुनना, बोलना, पढ़ना तथा लिखना के साथ ही चिंतन तथा बोध-ग्रहण की योग्यता के विकास को दृष्टि में रखते हुए क्रमानुसार अभ्यास-सामग्री दी गई है।

वस्तुत: भाषा की मूलभूत योग्यताएँ परस्पर इस प्रकार गुँथी हुई हैं कि एक योग्यता का विकास करने के साथ ही अन्य भाषा-योग्यताओं का न्यूनाधिक रूप में स्वत: विकास होता जाता है। उदाहरणार्थ सुनने और बोलने की योग्यताओं का विकास साथ-साथ होता है, उन्हें अलग-अलग विकसित करना अकल्पनीय है। इसी प्रकार पढ़ने और लिखने की योग्यता का विकास करते समय सुनने और बोलने का भी विकास होता जाता है। इस तथ्य को दृष्टि में रखते हुए प्रस्तुत अभ्यास-पुस्तिका में भाषा की विविध योग्यताओं तथा उनकी कार्य कुशलताओं के उत्तरोत्तर विकास के लिए सुनियोजित क्रम में अभ्यास दिए गए हैं। चिंतन और रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयत्न किया गया है।

बाल भारती भाग 2 के पाठों के आधार पर बने अभ्यास ही अभ्यास पुस्तिका में सम्मिलित किए गए हैं। पाठों की विषयवस्तु से प्राप्त ज्ञान तथा अर्जित भाषा-योग्यताओं को स्थिर तथा दृढ़ बनाने के उद्देश्य से अभ्यास पुस्तिका में अभ्यासों का समावेश किया गया है। ये अभ्यास एक ओर द्रुत गति से सीखने वाले बच्चों के लिए स्वत: सीखने में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, वहीं दूसरी ओर मंद गति से सीखने वाले बच्चों को अधिकाधिक अभ्यास द्वारा भाषायी कुशलताओं का विकास करने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

इस अभ्यास पुस्तिका में पठन-कौशल से संबद्ध कुशलताओं, जैसे - मुख्य भाव या विचार जानना, कहानी का घटनाक्रम समझना, विस्तृत विवरण जानना, कहानी का प्रत्यास्मरण करना, परिणाम निकालना, निष्कर्ष निकालना, सही बात का पता लगाना, कविता का भाव समझना, चित्र की व्याख्या करना, अप्रासंगिक बात का पता लगाना, कारण जानना आदि के विकास के लिए पर्याप्त अभ्यास दिए गए हैं। शब्द ज्ञान के अंतर्गत समानार्थक, विपरीतार्थक (विलोम) शब्द, लिंग, वचन, शब्दार्थ, सर्वनाम आदि से संबंधित अभ्यास दिए गए हैं। शब्दों की पहचान पुष्ट करने के उद्देश्य से प्रसंग संकेत, अंतिम ध्वनियों, तुकांत ध्वनियों तथा संयुक्त व्यंजनों के

अभ्यास सम्मिलित किए गए हैं। लिखना से संबंधित कौशल के विकास के लिए सुलेख, शब्द देखकर लिखना, वाक्य बनाकर लिखना, चित्रों के लिए लिखित अभिव्यक्ति, रचनात्मक अभिव्यक्ति आदि पर आधारित अभ्यासों का समावेश किया गया है। क्रिया के सही रूपों के प्रयोग, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग, सर्वनामों का सही प्रयोग, मिलते-जुलते शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्यों में प्रयोग, विरामचिह्नों का प्रयोग आदि पर भी अभ्यास दिए गए हैं। रचनात्मक अभिव्यक्ति के विकास के लिए चित्र बनाने और उनमें रंग भरने के भी अभ्यास हैं। इनके अतिरिक्त कुछ अभ्यास ऐसे भी हैं जो बच्चों के लिए रोचक होने के साथ ही सामान्य ज्ञान की वृद्धि करने में सहायक हैं।

प्रत्येक अभ्यास से संबंधित उद्देश्य साथ में दिए गए हैं। ये उद्देश्य शिक्षकों के ही मार्गदर्शन के लिए हैं। अभ्यास कराने से पूर्व शिक्षकों को श्यामपट पर लिखकर उपयुक्त उदाहरण देते हुए स्पष्ट करना आवश्यक होगा जिससे बच्चे यह अच्छी तरह समझ सकें कि उन्हें किस प्रकार वह अभ्यास करना है। मंद गति से लिखने वाले बच्चे की आवश्यकता का ध्यान रखते हुए शिक्षक सुविधा के अनुसार शब्द-कार्डों या वाक्य-कार्डों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रसंग में शिक्षकों से यह अपेक्षित है कि वे बच्चों की अभ्यास पुस्तिकाओं की नियमित रूप से जाँच करें तथा उनकी अशुद्धियों का आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करें।

समीक्षा-संशोधन कार्यगोष्ठी के सदस्य

प्रो. एम.जी.चतुर्वेदी
173, नीलगिरी, अलकनन्दा
नई दिल्ली

श्रीमती संयुक्ता लूदरा
सेवानिवृत्त प्रवाचक, एन.सी.ई.आर.टी.
सी-20/सी, गंगोत्री अपार्टमैंट्स
अलकनन्दा, नई दिल्ली

श्री जगमोहन सिंह
परामर्शदाता, सीमैट (इलाहाबाद)
1 के/3, रामप्रिया निवास
प्रयाग स्टेशन के पास
रामप्रिया रोड, इलाहाबाद (उ.प्र.)

डॉ. डी.एल. शर्मा
पूर्व प्राचार्य, गाँधी विद्या मंदिर
54/68, मानसरोवर, जयपुर

प्रो. के.के. गोस्वामी
सेवानिवृत्त, केंद्रीय हिंदी संस्थान
ई-12, कैलाश कालोनी
नई दिल्ली

श्रीमती प्रेम वर्षा सेठी
हैड-मिस्ट्रेस, केंद्रीय विद्यालय
एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

श्री विजय नारायण पाण्डेय
शिक्षक
वसंत वैली पब्लिक स्कूल
वसंत कुंज, महरौली, महिपाल पुर
नई दिल्ली

श्री रामगोपाल शर्मा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
हिल ग्रोव स्कूल
ए-1, सफदरजंग एन्कलेव
नई दिल्ली

सुश्री उषा वधवा
टी.जी.टी.
गवर्नमेंट को-एड मिडल स्कूल
सरस्वती गार्डन, 1-बी ब्लॉक
रमेश नगर, नई दिल्ली

एन.सी.ई.आर.टी. संकाय
प्रारंभिक शिक्षा विभाग

प्रो. कृष्णकांत वशिष्ठ, विभागाध्यक्ष
डॉ. इन्दु सेठ, *प्रवाचक*
डॉ. लता पाण्डेय, *प्रवाचक*
प्रो. रामजन्म शर्मा ***(संयोजक)***

गांधी जी का जंतर

तुम्हें एक जंतर देता हूँ। जब भी तुम्हें संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आज़माओ :

जो सबसे गरीब और कमज़ोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुँचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा, जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

विषय सूची

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्त्तव्य

अनुच्छेद 51क

मूल कर्त्तव्य - भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह -

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे, और

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू सके।

1. प्यारा भारत

उद्देश्य

कविता की लय व ध्वनि का परिचय।

1. अधूरे वाक्यों को पूरा करो।

फल-फूलों से भरी भूमि है

खेतों में ____________

आमों की डाली पर बैठी

गाती कोयल ____________।

बच्चो, माँ ने पाल-पोसकर

तुमको बड़ा ____________

लेकिन यह मत भूलो तुमने

अन्न कहाँ का ____________!

2. मिलते-जुलते शब्दों को मिलाओ।

3. वाक्य पूरे करो।
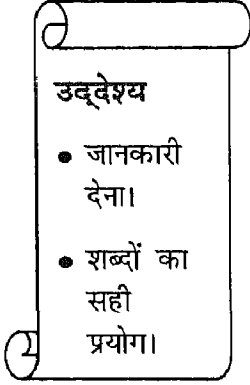
गंगा ____________ का नाम है।	देश
हिमालय ____________ का नाम है।	पक्षी
भारत ____________ का नाम है।	नदी
कोयल ____________ का नाम है।	पहाड़

4. कविता से संबंधित चित्र बनाओ।
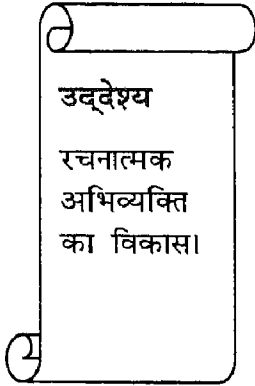
2. कबूतर और जाल

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखना।

कबूतर कहाँ रहते थे?

____

जाल किसने काटा?

____

2. सही शब्द चुनो और उसके नीचे रेखा खींचो।

उद्देश्य
शब्द–ज्ञान बढ़ाना।

भोजन	दाना	खाना	घास
धरती	ज़मीन	आकाश	मैदान
मित्र	दोस्त	भाई	बेटा
सहायता	काम	साथ	मदद

3. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजन पढ़ना और लिखना।
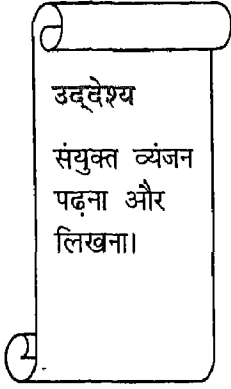
बिल्ली	चिल्लाना	______	______
ल्ल	ल्ल	______	______
धन्य	धन्यवाद	______	______
न्य	न्य	______	______

बल्ला	न्याय	उल्लू	धन्यवाद
______	______	______	______
______	______	______	______
______	______	______	______
______	______	______	______

4. दिए गए वाक्य को बार-बार लिखो।

उद्देश्य

सुलेख लिखना।
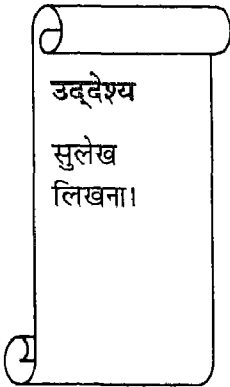
चूहा मेरा मित्र है।

______

______

______

______

5. पढ़ो।
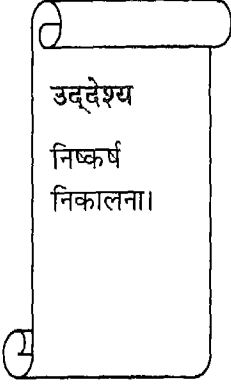
बूढ़े कबूतर ने सबसे कहा, ''दाना मत खाओ।'' सबने दाना खाया पर बूढ़ा कबूतर दूर से देखता रहा। बूढ़े कबूतर ने कहा, ''सब जाल लेकर उड़ चलो।''

सही पर (✓) और गलत पर (×) चिह्न लगाओ।

बूढ़ा कबूतर आलसी था। ( )

बूढ़ा कबूतर चतुर था। ( )

6. पीपल का पत्ता बनाओ और उसमें रंग भरो।
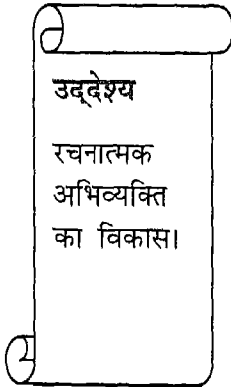
3. गिलहरी

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

कहानी का प्रत्यास्मरण।

गिलहरी के बाल कैसे होते हैं?

____

____

गिलहरी कैसे खाती है?

____

____

गिलहरी मूँगफली लेकर कहाँ गई?

____

____

2. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजनों का ज्ञान।

प्याला	________	पत्थर	________
प्यार	________	हत्था	________
प्यास	________	कत्था	________
प्य	________	त्थ	________

3. उलटे अर्थ वाले शब्द को मिलाओ।
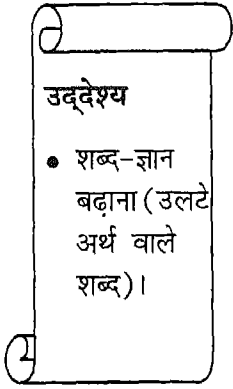
4. दिए गए शब्दों को पढ़ो। ज और ज़ के तीन-तीन शब्द खाली जगह में लिखो।
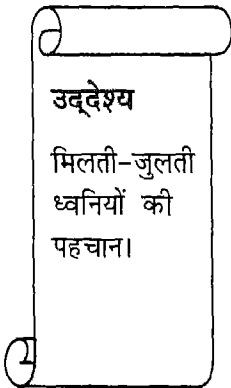
5. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

क्रिया-शब्दों का सही प्रयोग सिखाना।

गिलहरी बेर खा ________ । (रहा है/रही है)

कौआ पेड़ पर बैठ ________ । (गया/गई)

सुधीर मेरे घर ________ । (आएगा/आएगी)

मीरा गाना ________ है। (गाता/गाती)

4. बकरी का बच्चा और भेड़िया

1. कहानी के अनुसार दिए गए खाने में 1, 2, 3 आदि लिखो।

उद्‌देश्य
- कहानी के घटनाक्रम को समझना।
- वाक्य पढ़ने का अभ्यास करवाना।

नाले के किनारे भेड़िया पानी पी रहा था।	
बच्चा छिपकर माँ के पीछे-पीछे चला गया।	
कुत्तों ने भेड़िए को पकड़ लिया।	
भेड़िया मामा, मैं अभी बहुत छोटा हूँ।	
भेड़िया मामा बहुत अच्छा गाते हैं।	
भेड़िए ने दूर से बकरी के बच्चे को देखा।	

2. वाक्य बनाओ।

उद्‌देश्य

शब्द-प्रयोग और वाक्य-निर्माण।

बकरी ____________________

आवाज़ ____________________

जंगल ____________________

घास ____________________

गाना ____________________

3. सही शब्द बनाओ।

> **उद्देश्य**
> शब्द बनाना (क्रिया-शब्द सिखाना)।

	ता	ती	ते
कर	करता	करती	करते
देख	______	______	______
चल	______	______	______
सुन	______	______	______
आ	______	______	______
उड़	______	______	______

4. उदाहरण के अनुसार चित्रों के सामने पहला अक्षर और नीचे पूरा नाम लिखो।

> **उद्देश्य**
> परस्पर मिलती-जुलती ध्वनियों का अभ्यास कराना (इ-ई, उ-ऊ)।
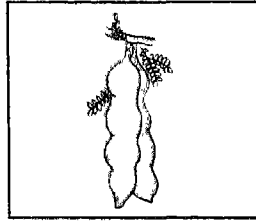
—इ—

इमली

______

______

______

______

______

______
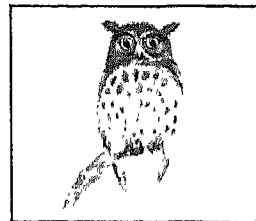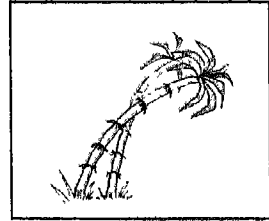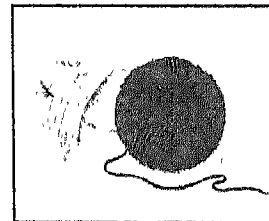
5. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजनों का ज्ञान कराना।

च् + च = च्च बच्चा ________ ________

च् + छ = च्छ अच्छा ________ ________

त् + त = त्त पत्ता ________ ________

रुपया	गुरुजी	रुको
________	________	________
________	________	________

रूमाल	ज़रूर	शुरू
________	________	________

6. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास।

बकरी कहाँ रहती थी?

____

____

नाले के किनारे कौन पानी पी रहा था?

____

____

गाने की आवाज़ से क्या हुआ?

____

____

5. पाँच मिनट में

1. उत्तर लिखो।

> **उद्देश्य**
> - कहानी का प्रत्यास्मरण।
> - वाक्य लिखने का अभ्यास।

गोपी सबसे क्या कहता था?

____

गोपी जादू का खेल क्यों नहीं देख पाया?

____

आखिर में गोपी ने क्या सोचा?

____

2. पढ़ो और लिखो।

> **उद्देश्य**
> संयुक्त व्यंजन वाले शब्द पढ़ना और लिखना सिखाना।

समाप्त	सप्ताह	_______________
प्त	प्त	_______________
अध्यापक	ध्यान	_______________
ध्य	ध्य	_______________

3. **नीचे दिए गए तीन वाक्यों में से सही वाक्य चुनकर खाली स्थान भरो।**

आलसी समझते / चतुर समझते / अच्छा समझते।

उद्देश्य

परिणाम निकालना।
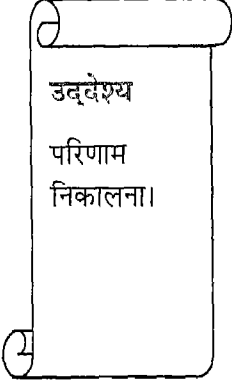
गोपी सुबह बहुत देर से उठता। वह अपने सब काम धीरे-धीरे करता। वह रोज़ देर से स्कूल पहुँचता। वह स्कूल का काम पूरा नहीं कर पाता। गोपी के अध्यापक उसे ______________ ______________।

4. **लिखो।**

उद्देश्य

सुलेख लिखना।
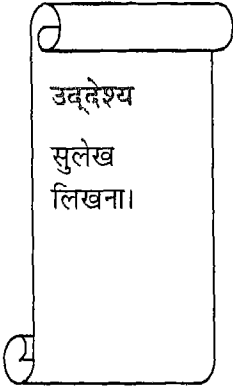
कक्षा	नाश्ता	क्षमा	अध्यापक
________	________	________	________
________	________	________	________
________	________	________	________
________	________	________	________

5. **पाठ से संबंधित चित्र बनाओ।**
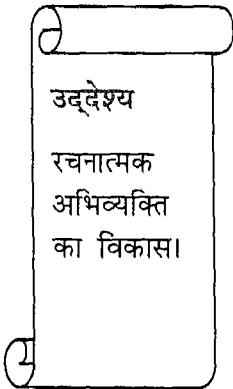
6. छोटी-सी चीज

1. बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करो और उसमें छूटे हुए अंक लिखो।
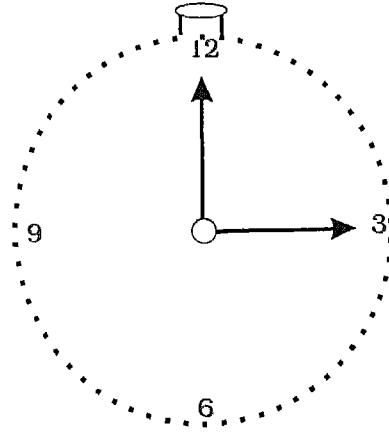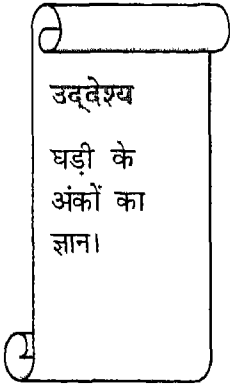
2. घड़ियों के नाम लिखो।
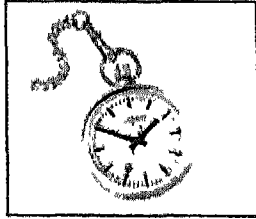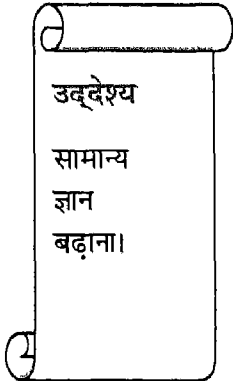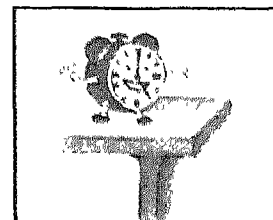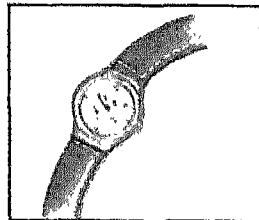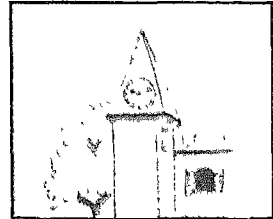
7. चींटी और हाथी

1. किसने कहा? किससे कहा?

उद्देश्य

- कहानी का विस्तृत विवरण जानना।
- वाक्य लिखने का अभ्यास।

"तुम दूसरों को बहुत सताते हो, यह बात ठीक नहीं।"

____

"मैं चाहे जो करूँ।"

____

"अब मैं किसी को कभी नहीं सताऊँगा।"

____

2. दिए गए उदाहरण के अनुसार समान अर्थ वाले शब्द लिखो।

उद्देश्य

शब्द ज्ञान बढ़ाना।

जंगल	वन	पशु	________
सवेरा	________	क्षमा	________
भीतर	________	ज़्यादा	________

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार करो।

उद्देश्य

शब्द ज्ञान बढ़ाना (लिंग)।
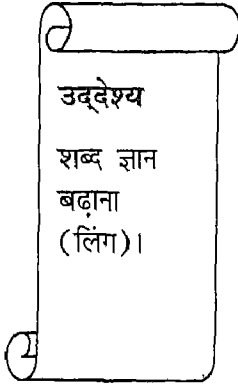
राजा	रानी	चूहा	________
माता	________	चींटा	________
भाई	________	शेर	________
पति	________	मुरगा	________

4. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखना।
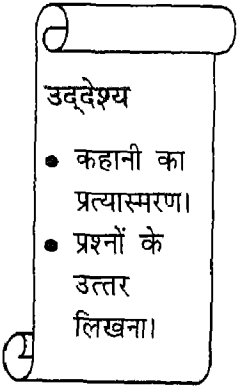
चींटी रोज सुबह क्या करती थी?

____

____

चींटी दुखी क्यों थी?

____

____

अंत में हाथी ने क्या कहा?

____

____

5. कहानी के अनुसार चित्रों से सही शब्दों को मिलाओ। हाथी के चित्र में रंग भरो।
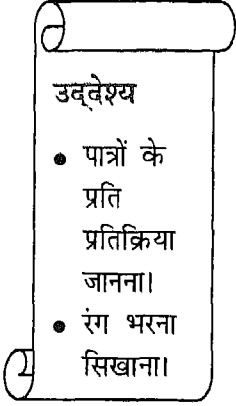
6. शब्दों में वर्णों की जगह बदलकर नए शब्द बनाओ।
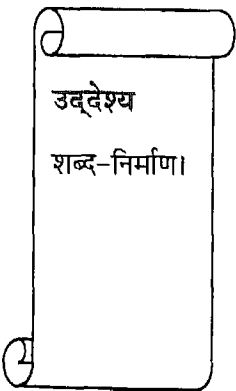
8. फूल कुमारी

1. कहानी के अनुसार दिए गए खानों में 1, 2, 3 आदि लिखो।

उद्देश्य
- घटनाक्रम जानना।
- कहानी का प्रत्यास्मरण।

सभी उदास हो गए। ☐

जब फूलकुमारी खुश होती, ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगती। ☐

सब हँसे, पर फूलकुमारी नहीं हँसी। ☐

फूलकुमारी हँस पड़ी। ☐

तमाशेवाले को खूब इनाम मिला। ☐

फूलकुमारी को हँसानेवाले को इनाम मिलेगा। ☐

राजा के मना करने पर फूलकुमारी उदास हो गई ☐

2. दिए गए उदाहरण की तरह शब्द बनाओ।

उद्देश्य
शब्द-निर्माण।

बंदर — वाला — बंदरवाला

आम — वाला — ________

टोपी — वाला — ________

सब्जी — वाला — ________

3. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

हँसते	हँसना	हँसती	हँसी	हँसो

उद्देश्य

क्रिया-रूपों का सही प्रयोग सिखाना।

खुश होने पर वह __________ थी।

सब ने कहा, "__________ बेटी।"

फूलकुमारी के हँसने से सभी फूल __________ थे।

सब हँसे पर फूलकुमारी नहीं __________।

दाढ़ी गिरने पर सबने __________ शुरू किया।

4. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखो।

उद्देश्य

शब्द-ज्ञान बढ़ाना।

हँसना	रोना	आया	__________
खुश	__________	खिलना	__________
ज़ोर-ज़ोर	__________	उठाना	__________
बहुत	__________	देना	__________

5. फूलकुमारी को हँसाने कौन-कौन आया? नाम लिखकर किसी एक का चित्र बनाओ।
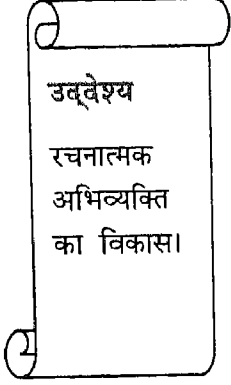
9. ऐसे सूरज आता है

1. मिलते-जुलते शब्द के चारों ओर चौकोन ☐ बनाओ।

उद्देश्य

लय एवं ध्वनि का ज्ञान।
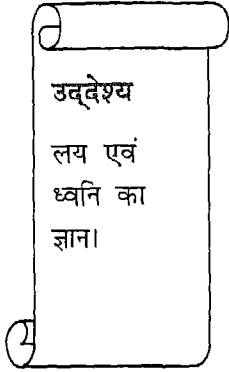
खोल	खेत	गोल	खाना
चिड़िया	लड़की	गुड़िया	नदी
चढ़ता	चलना	सुनना	बढ़ता
चमकता	दमकता	सूरज	रहती
ढलता	चलना	चलता	गरमी

2. पढ़ो और सही वाक्यों के सामने (✓) लगाओ।

उद्देश्य

कविता के भाव समझना।
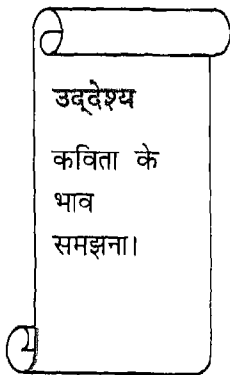
(क) पूरब का दरवाज़ा खोल

सूरज पूर्व दिशा से निकलता है। (✓)

सूरज दरवाज़ा खोलकर निकलता है। (   )

(ख) धरती–गगन दमकता है।

चारों तरफ रोशनी हो जाती है। ( )

धरती और आकाश पर अँधेरा छा जाता है। ( )

(ग) ऐसे सूरज ढलता है।

सूरज ढीला हो जाता है। ( )

शाम हो जाती है। ( )

3. चित्रों के बारे में एक-एक वाक्य लिखो।

1. ______________________________
____

2. ______________________________
____

3. ______________________________
____
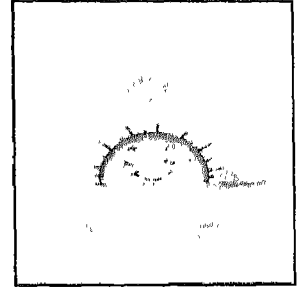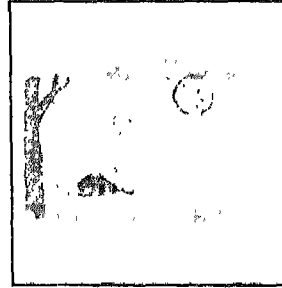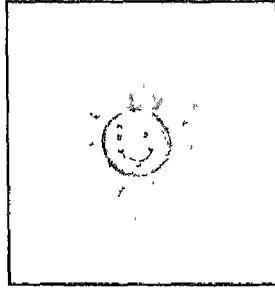
उद्देश्य

चित्रों की व्याख्या करना।

4. कविता से संबंधित चित्र बनाओ।
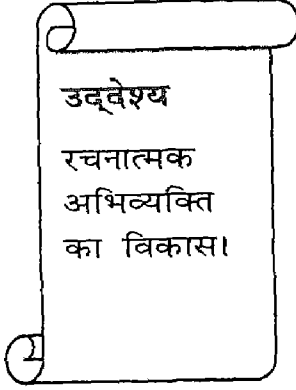
10. आसमान गिरा

1. कहानी के अनुसार दिए गए खानों में 1,2,3 आदि लिखो।

उद्देश्य

- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- सही बात का पता लगाना।

खरगोश ने इधर-उधर देखा। उसे कुछ दिखाई नहीं दिया। ☐

उसे लगा पहाड़ गिर रहा है। ☐

सभी जानवर भागने लगे। ☐

लोमड़ी खरगोश के साथ भागने लगी। ☐

हाथी की बात सुनकर शेर भी डर गया। ☐

तभी पेड़ से एक फल गिरा। ☐

2. दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य के लिए सही चिह्न पर गोल ○ घेरा लगाओ।

उद्देश्य

चिह्नों का सही प्रयोग सिखाना।

पेड़ से क्या गिरा ———————— (?) ।

आसमान गिर रहा है ———————— ? ।

खरगोश डर कर भागने लगा ———————— ? ।

ठहरो, कुछ बताओ? ———————— ? ।

सबसे पहले इसी ने कहा था ———————— ? ।

खरगोश कहाँ सो रहा था ———————— ? ।

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार सही शब्द पर तिकोन △ लगाओ और लिखो।

उद्देश्य
शब्द-ज्ञान बढ़ाना (समान अर्थ वाले शब्द)।

पंख	पक्षी	△ पर	पाँव	पर
आसमान	बादल	आकाश	बारिश	______
दौड़ना	भागना	बैठना	उठना	______
पास	दूर	यहाँ	नज़दीक	______
कहानी	कविता	कथा	बात	______
ठहरना	रुकना	चलना	उठना	______

4. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरो।

उद्देश्य
क्रिया-रूपों का सही प्रयोग सिखाना।

खरगोश डरकर ______ लगा।	भागते-भागते
खरगोश भाई, कहाँ ______ जा रहे हो?	भाग
तुम भी ______ आसमान गिर रहा है।	भागने
सभी जानवर ______ रहे थे।	भागो
______ खरगोश को लोमड़ी मिली।	भागे

5. चित्रों के नाम पूरे करो।
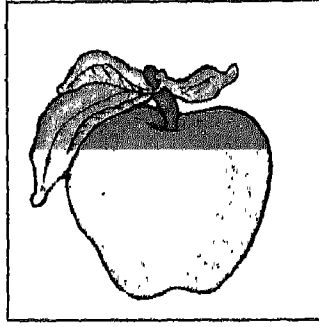
से ______
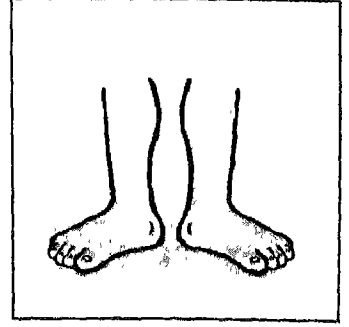
पाँ ______

उद्देश्य

परस्पर मिलती-जुलती ध्वनियों (व-ब, श-स) का अभ्यास करवाना।
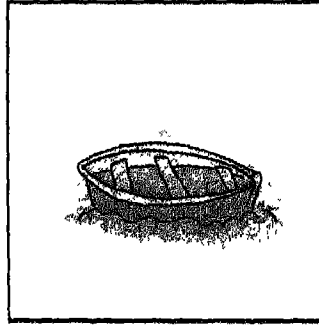
ना ______
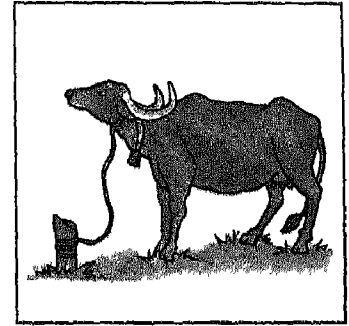
भैं ______
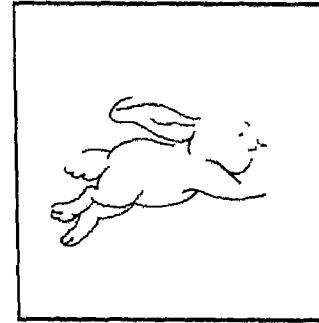
खरगो ______
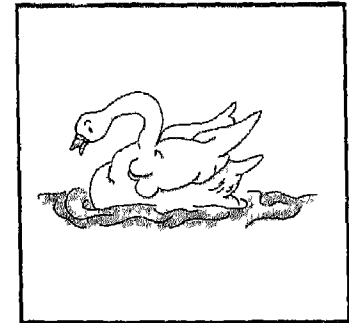
हं ______

6. **वर्गों में से पालतू पशु और जंगली जानवरों के नाम ढूँढकर नीचे दी गई जगह में लिखो।**

उद्देश्य

- खेल-खेल में भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- जानकारी प्राप्त करना।

हा	थी	बि	ल्ली	घो	ड़ा
ब	क	री	भे	ड़ि	या
	लो	भा	ड़	गा	बा
शे	म	लू	बै	य	घ
र	ड़ी		ल	कु	त्ता

पालतू पशु - *बिल्ली* __________ __________

__________ __________

जंगली जानवर - *शेर* __________ __________

__________ __________

11. साथी की सहायता

1. किसने कहा ? क्यों कहा ?

उद्देश्य

- कहानी का विस्तृत विवरण जानना।
- प्रश्नों के उत्तर लिखना।

"मुझे पाँच-सात रुपए दे दीजिए।"

"तुमने बहुत अच्छा काम किया है।"

2. वाक्य बनाओ।

उद्देश्य

वाक्य-निर्माण।

उम्र

खर्च

प्रसन्न

वर्षा

3. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजनों का ज्ञान।
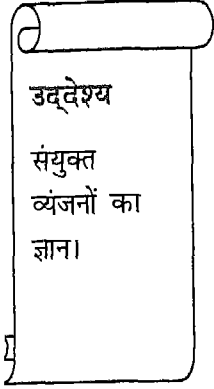
ग् + य = ग्य ग्यारह

र् + च = र्च खर्च चर्च

म् + र = म्र उम्र नम्र

वर्ष सूर्य निर्धन उम्र ग्यारह

4. दिए गए वाक्य को लिखो।

उद्देश्य

सुलेख लिखना।
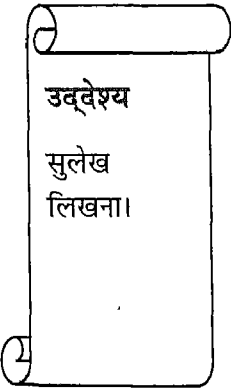
चित्तरंजन दास ने देश की सेवा की।

5. तुम अपने दोस्त की मदद कैसे करते हो? लिखो।

उद्देश्य

शब्द बनाना (क्रिया-शब्द सिखाना)।

12. दीप जलाओ

1. दिए गए उदाहरण के अनुसार मिलते-जुलते शब्दों को मिलाओ।
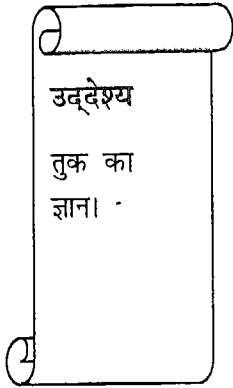
2. जलते हुए दीपों के चित्र बनाओ।

13. बादल

1. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरे करो।
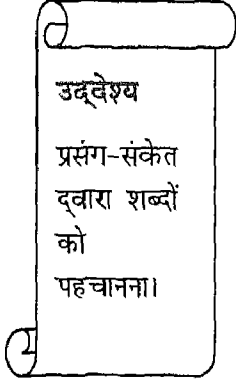
उद्देश्य

प्रसंग-संकेत द्वारा शब्दों को पहचानना।

कपड़े बदल लो, नहीं तो ______ लग जाएगी।	बूँदें
बड़ी-बड़ी ______ पड़ने लगीं।	ठंडी
पतीली से ______ निकल रही थी।	बादल
आसमान में ______ छाए हुए थे।	भाप
भाप ______ होकर बादल बन जाती है।	सरदी

2. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

- शब्द-ज्ञान बढ़ाना।
- क्रिया रूपों का सही प्रयोग सिखाना।
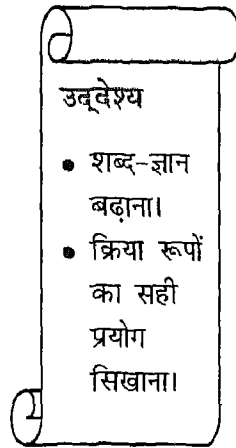
आ	आओगे	खेल	खेलोगे	देख	देखोगे
जा	______	सुन	______	बैठ	______
खा	______	लिख	______	कर	______
गा	______	बोल	______	सोच	______

ऊपर दिए गए शब्दों से वाक्य पूरे करो।

भरत क्या ______ रहा था?

क्या तुम मेरे साथ गाना ______ ?

आओ, खाना ______ लो?

इस बारिश में कहाँ ______ ?

क्या आज गेंद ______ ?

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार समान अर्थ वाले शब्दों के चारों ओर फूल ✺ बनाओ।
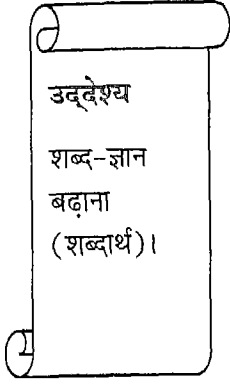
पाठशाला	स्कूल	कक्षा	कमरा
वर्षा	पानी	बूँदें	बारिश
समुद्र	नदी	सागर	आसमान
सूर्य	रोशनी	चाँद	सूरज

4. नीचे दिए गए शब्दों को उदाहरण के अनुसार सही जगह में लिखो।

नदियाँ, बकरी, गिलहरियाँ, रानी, लड़कियाँ, पत्ते, चींटी, पौधा, पुस्तकें, तितली
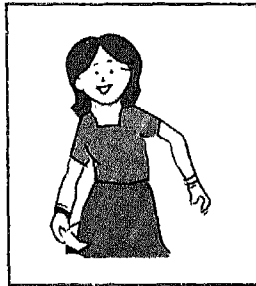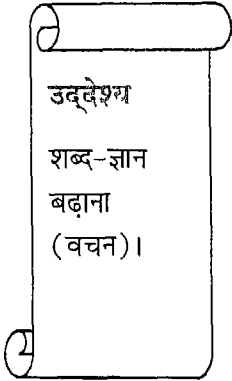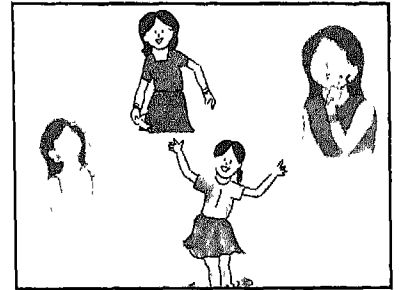
एक	बहुत
बकरी	नदियाँ

5. चित्र के बारे में पाँच वाक्य लिखो।

उद्‌देश्य

लिखित अभिव्यक्ति का विकास।

14. साहसी बालक

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

कहानी का प्रत्यास्मरण।

पूर्णचंद्र कहाँ रहता था?

____

____

लोग क्यों चिल्ला रहे थे?

____

____

पाठशाला की छत कैसी थी?

____

____

पूर्णचंद्र को इनाम क्यों मिला?

____

____

2. दिए गए उदाहरण के अनुसार सही शब्द के नीचे रेखा खींचो।

खाना	रोटी	भोजन	थाली
ओर	इधर	और	तरफ
साहसी	हिम्मती	अच्छा	चतुर
प्रतिदिन	कल	रोज़	आज

3. चित्रों के बारे में वाक्य लिखो।
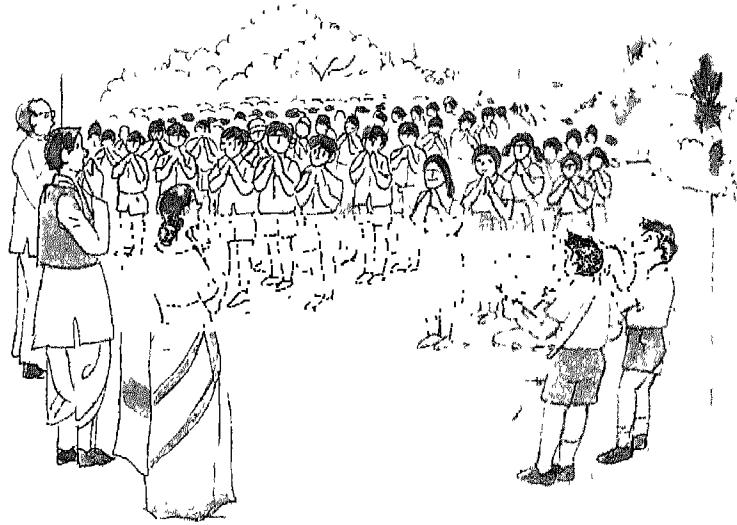
उद्देश्य

चित्र की व्याख्या करना।

1. ______________________________

____
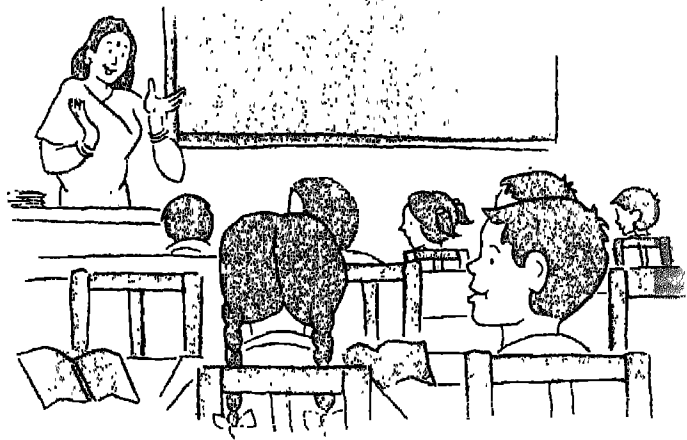
2. ______________________________

____

3. ______________________________

____

4. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य
प्रसंग-संकेत द्वारा शब्द पहचानना।

पूर्णचंद्र को पढ़ने का बहुत ________ था।	नींद
उसके ________ ने उसे खूब दौड़ाया।	फूस
पूर्णचंद्र को गहरी ________ आ गई	शौक
पाठशाला की छत ________ की थी।	साथियों
पूर्णचंद्र पाठशाला से आकर ________ करता।	आराम

4. दिए गए उदाहरण के अनुसार शब्द बनाओ और लिखो।
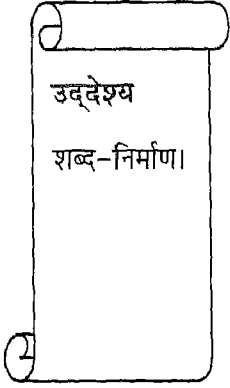
15. सबकी सुराही

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- वाक्य लिखने का अभ्यास कराना।

भीमा कुम्हार के चाक ने क्या कहा?

____

____

सुराही बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए?

____

____

सुराही ने सबको क्या समझाया?

____

____

2. चित्रों की सहायता से वाक्य बनाओ।

उद्देश्य
- चित्रों द्वारा विषय-वस्तु का ज्ञान कराना।
- चित्र संकेत द्वारा वाक्य पूरे करना।
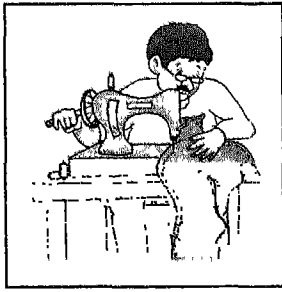
कुम्हार __________ से बरतन बना रहा है।

किसान के कंधे पर __________ है।

दरज़ी __________ पर कपड़े सी रहा है।

3. सही शब्द से वाक्य पूरे करो।
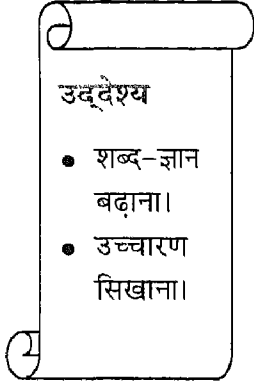
घड़ा ____________ से बनता है। | मिटी/ मिट्टी

आधी लकीर ____________ हुई है।

आज बहुत खाना ____________ है। | बच्चा/ बचा

____________ हँस रहा है।

4. सुराही का चित्र बनाओ और रंग भरो।
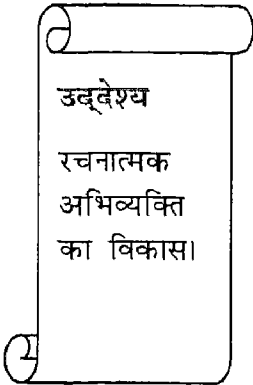
16. चाँद का कुरता

1. **चित्रों की सहायता से पहेलियाँ बूझो और उनके उत्तर लिखो।**
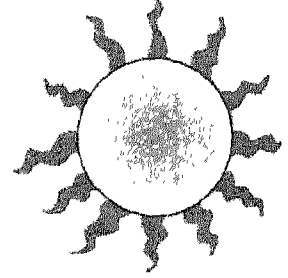
❖ मैं चमकूँ तो दिन हो जाए
छिप जाऊँ हो जाए रात। ______________

उद्देश्य

- सामान्य ज्ञान बढ़ाना।
- चिंतन का विकास।

❖ पंख फैला कर मैं उड़ जाऊँ
दिन ढलने पर वापस आऊँ। ______________
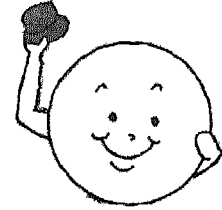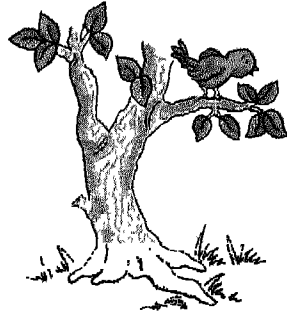
❖ बहुत दूर हम रहते हैं
टिमटिम करते रहते हैं। ______________

❖ रात पड़े मैं आता हूँ।
धुली चाँदनी बिखराता हूँ। ______________

2. रंगीन कागज़ से अलग-अलग आकार के चाँद काटकर चिपकाओ।

उद्देश्य

- अवलोकन शक्ति का विकास।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
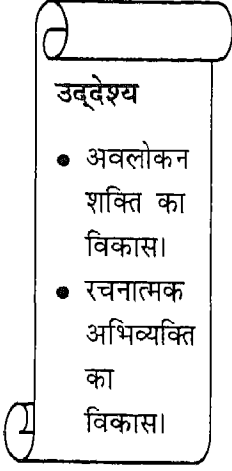
17. मोची और बौने

1. पढ़ो और नीचे दिए गए तीन वाक्यों में जिससे यह वाक्य पूरा होता है, उसके सामने (✓) का चिह्न लगाओ।

उद्देश्य

कारण जानना।
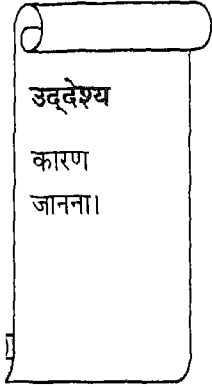
बौने रोज रात को जूते बना जाते क्योंकि -

वे मोची को पैसे देना चाहते थे। ( )

वे मोची की मदद करना चाहते थे। ( )

वे मोची से कपड़े लेना चाहते थे। ( )

मोची और उसकी पत्नी ने बौनों के लिए जूते और कपड़े बनाए क्योंकि वे -

बौनों को देखना चाहते थे। ( )

बौनों की मदद करना चाहते थे। ( )

बौनों को धन्यवाद देना चाहते थे। ( )

2. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरा करो।

उद्देश्य

- शब्द-ज्ञान बढ़ाना।
- सर्वनामों का सही प्रयोग सिखाना।
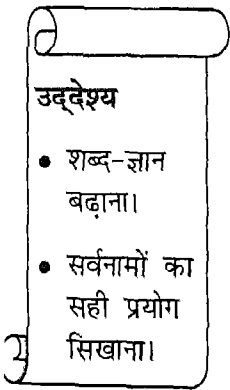
ये जूते ________ दे दो। (मैं / मुझे)

________ रात को खिड़की में से देखेंगे। (हम / हमारे)

मैं ________ बहुत से पैसे दूँगा। (तुम / तुम्हें)

________ इनके लिए कपड़े बनाऊँगी। (मैं / मुझे)

आज ________ चिड़ियाघर जाना है। (हम/ हमें)

________ मित्र यहीं खाना खाएँगे। (मैं/ मेरे)

3. किसने कहा? किससे कहा?

"रात में ऐसे जूते किसने बना दिए !"

"ये जूते बड़े सुंदर हैं।"

"मैं इनके लिए सुंदर-सुंदर कपड़े बनाऊँगी।"

4. शब्दों की माला में दिए गए उदाहरण के अनुसार शब्द बनाओ।
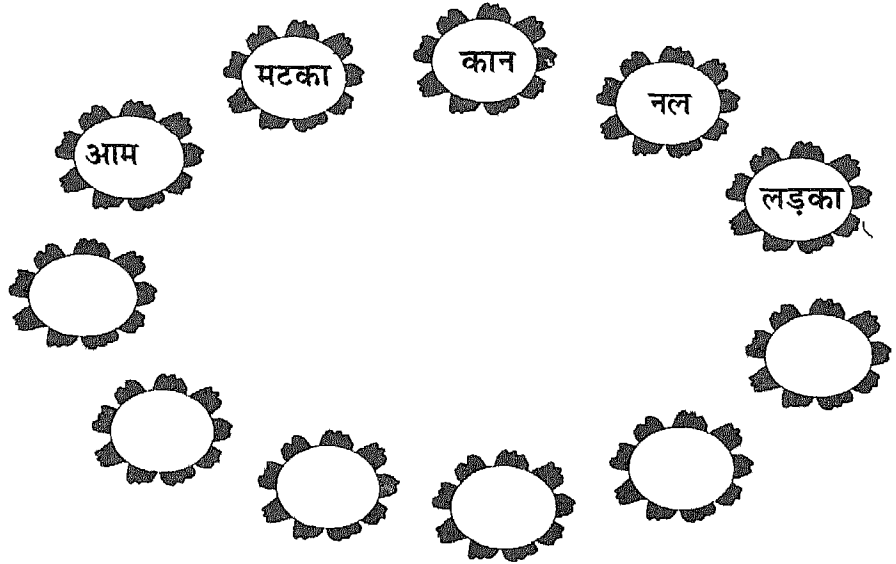
18. बूझो तो जानें

1. पहेलियों को बूझो और उत्तर के चित्र बनाओ।
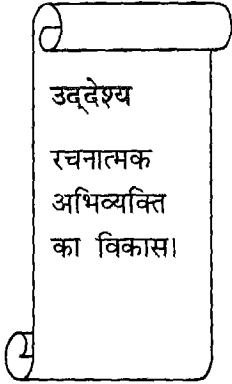
(क) एक चीज है गोल-गोल
मीठा रस भरा-भरा।
अंदर से लाल-लाल
बाहर से हरा-हरा।

(ख) देखो इसकी कैसी शान
बैठ नाक पर पकड़े कान।

उद्देश्य
अवलोकन
की क्षमता
का विकास।
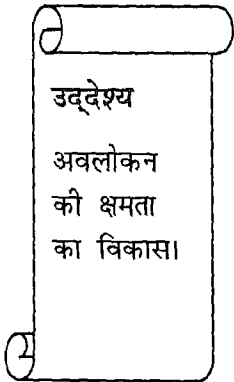
2. खरगोश को गाजर तक पहुँचाओ।
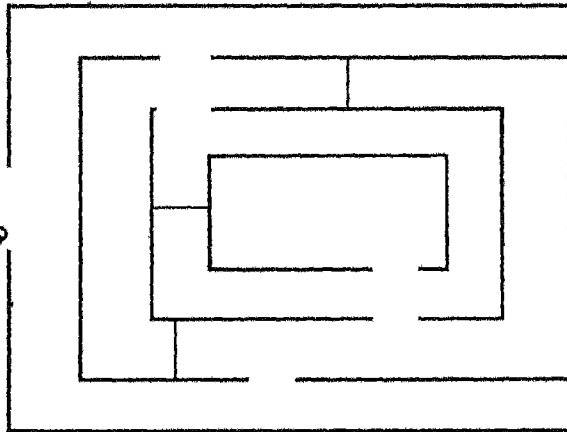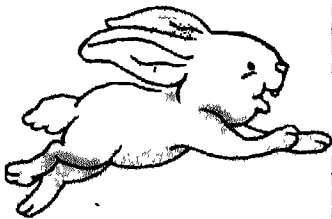
19. दाँतों की सफाई

1. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

क्रिया-शब्दों का सही प्रयोग सिखाना।

ऋषि के दाँत बहुत गंदे ________। (थी / थे)

कीड़ा दाँतों को खोखला कर ________ है। (देता / देते)

फल और सब्ज़ी जरूर ________ चाहिए। (खाना / खानी)

दूध पीने से दाँत मज़बूत ________ हैं। (होता / होते)

ऋषि अब रोज दाँत साफ़ करने ________। (लगा / लगी)

2. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजन सिखाना।

क् + ट = क्ट	डाक्टर	कंडक्टर	विक्टर
ध् + य = ध्य	ध्यान	मध्य	अध्यापिका
ब् + ज़ = ब्ज़	सब्ज़ी	नब्ज़	कब्ज़

____

____

____

____

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार अन्य शब्दों को लिखो।

उद्देश्य

शब्द-प्रयोग (बहुवचन और विभक्ति)

दाँत	दाँतों में	
कीड़ा	________	ने
आँख	________	से

रोटी	रोटियों को	
सब्ज़ी	________	को
थैली	________	से

ऊपर दिए सही शब्द से वाक्य पूरे करो।

अपने ________ साफ़ करो।

ऋषि के ________ में कीड़ा लग गया था।

प्लास्टिक की ________ में खाना न रखो।

4. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

लिखने का अभ्यास कराना।

ऋतु ऋषि ऋण वृक्ष

____

____

____

____

5. उत्तर लिखो।

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- वाक्य लिखने का अभ्यास कराना।

ऋषि के दाँत में दर्द क्यों हो रहा था?

____

____

ऋषि की माँ उसे कहाँ ले गई?

____

____

कौन-सी चीज़ें खाने से दाँत मज़बूत होते हैं?

____

____

6. चित्र देखो और वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य
- चित्रों द्वारा सफाई का ज्ञान कराना।
- चित्र-संकेत द्वारा सही शब्द लिखना।

रोज़ ________ साफ करो।

रोज़ सुबह ―――――― चाहिए।

बालों में ―――――― करो।
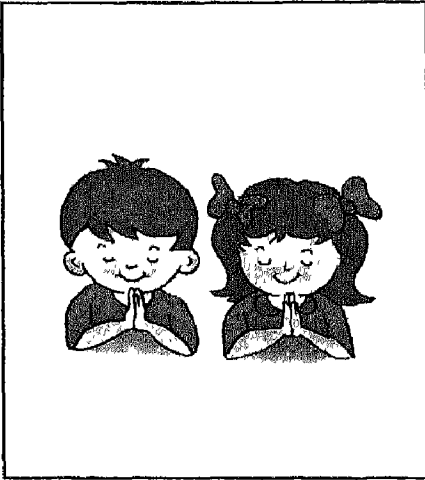
हमें रोज़ ――――― करनी चाहिए।
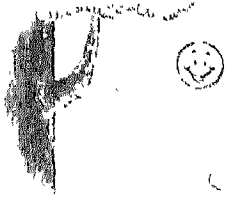
20. कौन

1. पंक्तियों को पूरा करो और पढ़ो।

उद्देश्य
- कविता याद करना।
- लय और तुक का ज्ञान

अगर न होता चाँद, रात में
हमको ______________________?
अगर न होता सूरज, दिन को
______________________?

अगर न होते पेड़ भला फिर
______________________?
अगर न होते फूल बताओ
खिल-खिलकर ______________?

2. वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य
जानकारी देना (सामान्य ज्ञान बढ़ाना)।

चाँद और सूरज हमें __________ देते हैं।	फल-फूल
नदियाँ हमें __________ देती हैं।	छाया
पेड़ हमें __________ देते हैं।	बारिश
बादल हमें __________ देते हैं।	रोशनी
पौधे और पेड़ __________ देते हैं।	पानी

3. चित्र देखो। उसके सामने लिखे शब्द पढ़ो। जो शब्द चित्र से मेल नहीं खाता है, उसके चारों ओर गोल ○ घेरा लगाओ।
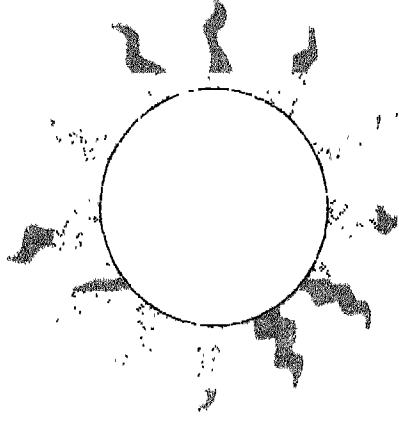
धूप

उजाला

ठंडक

लाल

किरण

उद्देश्य

- सामान्य ज्ञान
- गलत बात का पता लगाना।
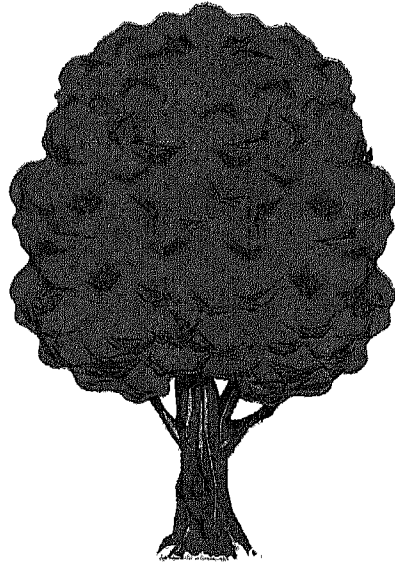
छाया

ठंडक

फल

रोशनी

फूल

लकड़ी
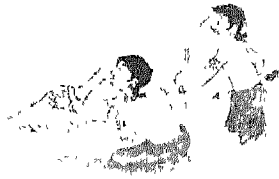
21. हंस किसका

1. किसने कहा?

उद्देश्य
कहानी का प्रत्यास्मरण।

"मुझे दो यह हंस। यह मेरा शिकार है।" ____________

"मैंने इसे मरने से बचाया है।" ____________

"मैंने इसे तीर से गिराया है।" ____________

"हंस सिद्धार्थ का है।" ____________

"सिद्धार्थ मेरा हंस नहीं दे रहा।" ____________

2. वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य
क्रिया-रूपों का सही प्रयोग सिखाना।

सिद्धार्थ ने धीरे से तीर ____________।	निकलने
सोहन शाम को घर से ____________।	निकल
हंस के शरीर से खून ____________ रहा था।	निकालो
गरमी से पसीना ____________ लगा।	निकला
बस्ते से पुस्तक ____________।	निकाला

3. उत्तर लिखो।

सिद्धार्थ कैसा लड़का था?

उद्देश्य

पात्रों के प्रति प्रतिक्रिया जानना।

____

____

देवदत्त कैसा लड़का था?

____

____

4. दिए गए उदाहरण के अनुसार सही अर्थ वाले शब्दों को मिलाओ।

5. चित्र देखो और उसके बारे में लिखो।
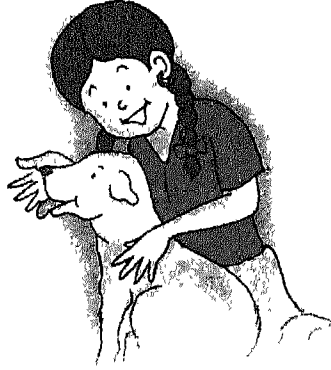
22. होली

1. किसने कहा? किससे कहा?
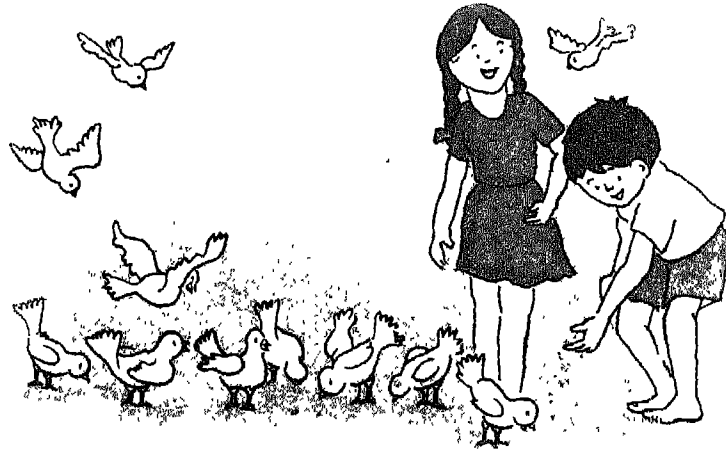
उद्‌देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखना।

"मैं बाजार से रंग और पिचकारी लाऊँगा।"

____

____

"क्या अभी से रंग खेलोगे?"

____

____

"रोओ मत। देखो, होली पर रंग खेलते हैं।"

____

____

2. पाठ के अनुसार दिए गए खानों में 1, 2, 3 आदि लिखो।

उद्‌देश्य
- सही बात का पता लगाना।
- पठन-अभ्यास।

होली रंगों का त्योहार है।	☐
माँ ने विनोद को पैसे नहीं दिए।	☐
रंग पड़ने पर गीता रोने लगी।	☐
होली के दिन पाठशाला खुली थी।	☐

होली के दिन एक-दूसरे के मुँह पर गुलाल लगाते हैं। ☐

होली के दिन सबसे गले मिलते हैं। ☐

होली के दिन घर में छिपे रहते हैं। ☐

3. सही शब्द से वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

प्रसंग-संकेत द्वारा शब्द को पहचानना।

वाक्य	शब्द
मैं ________ से रंग और पिचकारी लाऊँगा।	मिलकर
विनोद को रास्ते में एक ________ मिला।	मिठाई
गीता का ________ पीला हो गया।	बाज़ार
माँ ने सबको ________ खिलाई।	पिचकारी
सबने ________ रंग खेला।	मित्र
विनोद ने ________ में रंग भरा।	कुरता

4. होली के बारे में चित्र बनाओ और रंग भरो।

5. दिए गए होली के चित्र में कुछ बातें होली से संबंधित नहीं हैं। उन पर कागज़ चिपकाओ।

उद्देश्य

चित्रों में बनी अप्रासंगिक बात ढूँढना।

6. होली के दिन तुम क्या-क्या करते हो? लिखो।

उद्देश्य

लिखित अभिव्यक्ति का विकास।

____

____

____

____
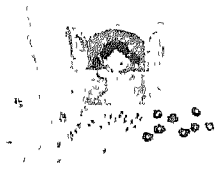
23. ऋतुएँ

1. कविता को पूरा करो।

उद्देश्य

कविता की लय और तुक का ज्ञान।

आ रे बादल, काले बादल
गरमी ____________________

रंग-रंगीली होली आती
सबके मन ____________________।

सरदी जाती गरमी आती
रंग-रंग के फूल ____________________

बिजली चमक रही अब चम-चम
लगा बरसने पानी ____________________।

2. दिए गए उदाहरण के अनुसार जिस ऋतु में यह बात होती है, उस तक रेखा खींचो।

उद्देश्य

ऋतुओं के बारे में जानकारी देना।

पसीना आना
बादल आना
स्वेटर पहनना
पंखा चलना
आग तापना
पानी बरसना

सरदी
गरमी
बरसात

3. सही शब्द से वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

प्रसंग के अनुसार शब्दों का प्रयोग सिखाना।

मोहन ______ श्याम मेरे मित्र हैं ।	और / ओर
दिन बड़े होने लगते हैं और ______ छोटी।	तारे / रातें
पानी बरसने से ______ कम हो जाती है।	गरमी / गरम
घड़े ______ पानी है ।	में / मैं

4. दिए गए उदाहरण के अनुसार अन्य शब्द बनाओ।

उद्देश्य

शब्द-निर्माण।

काला बाल

लाल

बिजली दिल्ली

______

सरदी पतंग

______

कुत्ता चरता

______

खिलौना लड़की

______

मेमना करेला

______